NEWSLETTER

शनिवार, 08 अप्रैल 2023 | वॉल्यूम - 40

पिंक बॉलवर्म प्रबंधन बड़ी चुनौती: कपास विशेषज्ञ

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

GOLD : 60515
SILVER : 74554
CRUD OIL : 6594

आने वाले 15 दिनों में 150 रूपए तक गिर सकते है सीड के भाव

कॉटन सीड मार्केट में पिछले 25 दिनों से तेजी का माहौल नजर आ रहा था। लेकिन बीते तीन दिन से मार्केट ने दोबारा करवट बदली है और भाव में हल्की गिरावट नजर आई है। संभावना है कि आने वाले 15 दिनों में कॉटन सीड के भाव 100-150 रूपए तक गिर सकते है। दरअसल, सीड और खल के भाव पूरी तरह से कपास के भाव पर निर्भर करते है। कपास के भाव में तेजी और मंदी का असर इस मार्केट पर भी होता है। अप्रैल माह के दूसरे सप्ताह से किसान गेंहू और दूसरी फसलों की बिक्री में व्यस्त हो जाते है इसलिए कपास की बिक्री धीमी हो जाती है ऐसे में खल के भाव के गिरने की पूरी संभावना है।

संजीव कुमार जिंदल
खल, सीड ब्रोकर,
(संगरूर, पंजाब)

यह है समस्या

पिछले कुछ समय से एनसीडीईएक्स पर बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने में आ रहा है। जिसका असर खल और सीड के फिजिकल मार्केट पर हो रहा है। सुबह से शाम तक में ही तेजी से भाव में अंतर आ रहा है इससे सौदे करना बहुत मुश्किल होता जा रहा है।

5 महीने की आवक बाकि

उन्होंने बताया कि सीएआई के अनुमानित फसल आंकड़े के हिसाब से अभी भी 1 करोड़ से ज्यादा की फसल आना बाकि है। यदि हम औसतन 1 दिन की 90 हजार बेल्स आवक माने तो 25 दिन की आवक लगभग 22 लाख के लगभग होती है। इस लिहाज से अभी भी 5 महीने से ज्यादा की आवक आना बाकि है। इस स्थिति को देखकर लग रहा है कि इस सीजन बहुत सा स्टॉक कैरी फॉरवर्ड हो सकता है।

पंजाब की स्थिति

पंजाब के बारे में उन्होंने बताया कि पंजाब में बेमौसम की बारिश कभी भी हो जाती है जिसका खामियाजा हर साल किसानों को भुगतना पड़ता है। खासकर कपास किसानों को। इसके अलावा कपास फसल पर गुलाबी सुंडी का प्रकोप भी यहां बहुत ज्यादा मंडराता है। 2011 में पंजाब में कपास की फसल 10 से 11 लाख बेल्स के लगभग हुई थी उसके बाद से हर साल यह कमजोर होती गई और अब महज 2.5 से 3 लाख बेल्स का उत्पादन ही हमारे यहां हो पाता है। इस पर सरकार को गंभीरता से कोई फैसला लेना चाहिए।

पाकिस्तान में घरेलू कपास उत्पादन चार दशक के निचले स्तर पर

कपास की फसल में पिछले साल 7.44 मिलियन गांठों की तुलना में इस साल 34 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है, जिसका मुख्य कारण सिंध और दक्षिणी पंजाब में विनाशकारी गर्मी की मार है, जहां यह औद्योगिक फसल ज्यादातर उगाई जाती है। पाकिस्तान में 2023 में उत्पादन घटकर चार दशक के निचले स्तर 4.9 मिलियन गांठ पर आ गया है। पाकिस्तान स्थित अखबार के अनुसार इसने देश के गहरे आर्थिक संकट को और बढ़ा दिया है।

पाकिस्तान के सिंध में कपास के उत्पादन में 46 फीसदी की कमी आई है, पंजाब में 32 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे कपड़ा उद्योग को बड़ी मात्रा में आयात करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। डॉन के अनुसार, साल दर साल खराब कपास की फसल के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं, जिनमें कीट और बीमारी, अनियमित मौसम पैटर्न और पानी की कमी से लेकर बीज की खराब गुणवत्ता, प्रति एकड़ कम उपज और खेती के तहत क्षेत्र में बड़ी कमी शामिल है।

कपड़ा और कपड़ों के निर्यात को पिछले एक दशक में काफी नुकसान हुआ है, औसत वार्षिक उत्पादन कपड़ा उद्योग की वास्तविक आवश्यकता का लगभग आधा रह गया है। इसके अतिरिक्त, कपास का आयात, जो अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख चालक है, हमारे भुगतान संतुलन की समस्या को बढ़ा रहा है।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

EDITOR - RAKSHA BHAGAT JAIN
(+91 - 74150 28064)

जानिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए कैसा रहा यह सप्ताह

3 से 8 अप्रैल 2023 के बीच प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर एक रिपोर्ट-

शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव का दौर बीते सप्ताह भी जारी रहा लेकिन टेक्सटाइल निवेशकों के लिए यह सप्ताह राहत लेकर आया। दरअसल, इस सप्ताह लगभग सभी प्रमुख कंपनीज के शेयर्स पॉजिटिव मार्केट कैप हासिल करने में कामयाब रहे। आइए जानते है बीएसई के मंच पर कैसी रही प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की परफॉरमेंस-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	313	316	292.05	7.17%
अरविद लिमिटेड	89.82	90.95	85.4	5.18%
वेलसपन इंडिया	73.21	73.5	64	14.39%
नितिन स्पिनर्स	251.15	257	220.3	14%
रेमण्ड	1242.75	1255	1178.05	2.62%
अक्षिता कॉटन	63.07	63.15	55.96	12.14%

कॉटन एक्सचेंज मार्केट की हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5 WEEKLY CHART 08.04.2023			
ICE COTTON			
MONTH	31.03.23	07.04.23	WEEKLY CHANGE
MAY	82.78	83.02	0.24
JULY	83.1	83.47	0.37
DEC	83.42	83.24	-0.18
MCX (BALES) CANDY			
APRIL	62000	63400	1400
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1579	1633	54
NCDEX (COCUD KHAL)			
APRIL	2815	2825	10
MAY	2852	2865	13
JUN	2890	2907	17
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.17	81.89	-0.28
PAK (Pakistani Rupee)	283.804	288.141	4.337
CNY (Chinese yuan)	6.86912	6.87666	0.00754
BRAZIL (Real)	5.06329	5.0341	-0.02919
AUSTRALIAN Dollar	1.49522	1.49376	-0.00146
MALAYSIAN RINGGITS	4.41248	4.399	-0.01348
COTLOOK "A" INDEX	96.7	94.85	-1.85
BRAZIL COTTON INDEX	91.59	88.05	-3.54
USDA SPOT RATE	80.46	80.88	0.42
MCX SPOT RATE	61400	62540	1140
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18700	19300	600
GOLD ($)	1986.7	2023.9	37.2
SILVER ($)	24.227	25.13	0.903
CRUDE ($)	75.7	80.47	4.77

इस सप्ताह नेशनल और इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज मार्केट में भाव कहीं बढ़ते तो कहीं घटते हुए नजर आए। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज पर मई और जुलाई माह के लिए क्रमशः 0.24 और 0.37 सेंट की दर्ज की गई जबकि दिसंबर माह के सौदा भाव में 0.18 सेंट की गिरावट देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज मार्केट में अप्रैल माह के सौदा भाव में 1400 रूपए प्रति कैंडी तक भाव बढ़े है। वहीं एनसीडीएक्स के अप्रैल माह के कपास सौदा भाव में भी 54 रूपए प्रति 20 किलो की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

एनसीडीएक्स पर खल के भाव भी इस सप्ताह बढ़े है। अप्रैल, मई और जून तीनों ही माह के लिए सौदा भाव क्रमशः 10,13 और 17 रूपए प्रति क्विंटल तक बढ़े है।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक ए इंडेक्स और ब्राजील कॉटन इंडेक्स के मंच पर कॉटन भाव में 1.85 और 3.54 तक की कमी देखने को मिली है। जबकि यूएसडीए स्पॉट रेट, एमसीएक्स स्पॉट रेट और केसीए स्पॉट रेट पर कॉटन भाव में बढ़त देखी गई है।

पिंक बॉलवर्म प्रबंधन

बड़ी चुनौती

- *कपास विशेषज्ञ*

कपास किस्मों के विकास की प्रक्रिया को तेज करने की जरूरत है, विशेष रूप से कपास के संकरण कार्यक्रम में बीटी जीन, बड़े बॉल आकार, रोगों के प्रति प्रतिरोध और यांत्रिक कटाई पर ध्यान केंद्रित करने की। यह बात कही पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) में फसल विज्ञान के उप महानिदेशक डॉ. टीआर शर्मा ने।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) में कपास पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) की दो दिवसीय वार्षिक समूह बैठक 2022-23 का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र में विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और आईसीएआर संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ पीएयू के कृषि विशेषज्ञों ने भाग लिया।

विश्वविद्यालयों को किसानों के लिए प्रौद्योगिकी जारी करने का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए, आईसीएआर विशेषज्ञ ने कपास के लिंट या खाद्य तिलहन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया। डॉ शर्मा ने कहा, "2002 में इसकी शुरुआत के बाद से, बीटी कपास एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और बीटी कपास की किस्मों/संकरों को लोकप्रिय बनाने और कपास में सुधार के लिए प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।" कम कपास उत्पादन और उत्पादकता के मुद्दे की ओर इशारा करते हुए डॉ. शर्मा ने उच्च घनत्व रोपण प्रणाली (एचडीपीएस) के लिए कुछ किस्मों को जारी करने का आश्वासन दिया।

50 साल पहले पीएयू में काम कर चुके कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सीडी मायी ने बीटी कॉटन हाइब्रिड के विकास के लिए निजी कंपनियों को विश्वविद्यालयों के साथ जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया। कपास की खेती में जलभराव की समस्या को दूर करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, "उत्तर भारत में कपास अधिक पानी के कारण पीड़ित है, जबकि दक्षिण भारत में यह कम पानी के कारण पीड़ित है।" कपास के एचडीपीएस संकरों के विकास पर प्रभाव डालते हुए डॉ मायी ने इस दिशा में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के एकीकरण को दोहराया।

भाकृअनुप-सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च ऑन कॉटन टेक्नोलॉजी, मुंबई के निदेशक डॉ. एस.के. शुक्ला ने कपास की कटाई के दौरान आने वाली कठिनाइयों पर भी चिंता जताई और प्रजनकों को इसके समाधान के रूप में एचडीपीएस संकर के साथ आने का आह्वान किया। डॉ. शुक्ल ने कपास की रेशों की गुणवत्ता और कताई उद्योग द्वारा अपनाए जा रहे मापदंडों पर भी विस्तार से चर्चा की।

मौजूदा फसल सीजन में पंजाब के कपास उत्पादकों को 33 प्रतिशत बीज सब्सिडी के प्रावधान की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि बीटी कपास का हस्तक्षेप एक बड़ी सफलता है। हालांकि सफेद मक्खी ने 2015 में कपास उत्पादकों के लिए कहर बरपाया था, फिर भी शोधकर्ताओं, विस्तार कार्यकर्ताओं और प्रशासकों के सामूहिक प्रयासों से इस कीट पर सफलतापूर्वक काबू पाया जा सका।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

भारत में तीसरे सबसे बड़े कपास उत्पादक के रूप में उभरा तेलंगाना

2020-21 में, तेलंगाना ने 57.97 लाख गांठ कपास का उत्पादन किया, और 2021-22 में, इसने 48.78 लाख गांठ कपास का उत्पादन किया। गुजरात और महाराष्ट्र के बाद यह देश में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। उत्पादन के अलावा, कपास श्रमिकों को भुगतान की जाने वाली श्रम दर के मामले में भी तेलंगाना दूसरा अग्रणी राज्य था।

मुक्तसर में शुरू हुई कपास की बुआई, नुकसान के डर से ज्यादातर किसानों का रूख धान की ओर

खराब मौसम ने जिले के कपास उत्पादकों को चिंतित कर दिया है, जो धान के पक्ष में इस नकदी फसल को डंप करने की सोच रहे हैं। उनके अनुसार, कपास की बुवाई अधिक श्रम प्रधान है और लागत अधिक है और इसके विफल होने की स्थिति में उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

खरगोन में कपास और खाद्य क्षेत्र के लिए क्लस्टर पर विचार

जिला उद्योग और व्यापार केंद्र (DITC) ने छोटे और मध्यम आकार के उद्योगों के लिए क्लस्टर विकसित करने के लिए खरगोन में लगभग 14 हेक्टेयर की पहचान की है। डीआईटीसी खाद्य एवं कपास क्षेत्र के लिए खरगोन जिले में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने पर विचार कर रहा है।

बीसीआई ने ताजिकिस्तान के साथ मिलकर टिकाउ कपास उत्पादन के समर्थन में एमओयू पर किए हस्ताक्षर

द बेटर कॉटन इनिशिएटिव (बीसीआई) ने ताजिकिस्तान के कृषि मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि पूरे मध्य एशियाई देश में अधिक टिकाऊ कपास के उत्पादन को और समर्थन दिया जा सके। यह कपास फाइबर की गुणवत्ता में सुधार, किसान कल्याण और समग्र कृषि स्थिरता दायरे में हैं।

पाकिस्तान कपड़ा उद्योग की मांग, जीरो रेटेड ऊर्जा को किया जाए बहाल

पाकिस्तान कपड़ा उद्योग पतन के कगार पर है और उसने मांग की है कि जीरो रेटेड ऊर्जा को बहाल किया जाना चाहिए और लंबित रिफंड को तुरंत जारी किया जाना चाहिए। इस सिलसिले में ऑल पाकिस्तान टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (एएमपीटीए) ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पहले ही एक पत्र लिखा है।

कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए बढ़ोतरी वाला सप्ताह

इस सप्ताह फिजिकल मार्केट में लगभग सभी राज्यों में कॉटन के भाव में बढ़त दर्ज की गई है। नार्थ झोन में कॉटन भाव लगभग 100 से 125 रूपए प्रति मंड तक बढ़े है। पंजाब और हरियाणा में 125 रूपए जबकि अपर राजस्थान में 100 रूपए प्रति मंड की बढ़त देखी गई है।

सेंट्रल झोन में गुजरात में सबसे ज्यादा 1600 रूपए प्रति कैंडी तक भाव बढ़े है। मध्यप्रदेश में 1300 रूपए व महाराष्ट्र में 1500 रूपए प्रति कैंडी तक की बढ़त दर्ज की गई है।

तीनों ही झोन में सबसे ज्यादा बढ़त साउथ झोन में देखी गईं। यहां भी कर्नाटक में सबसे ज्यादा 2000 रूपए प्रति कैंडी तक भाव बढ़े है। इसके बाद तेलंगाना में 1800 रूपए, उड़िसा में 1600 रूपए व आंध्रप्रदेश में 1200 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के भाव बढ़े है।

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77771 - 5

DATE: 08.04.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	03.04.23		08.04.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,150	6,275	6,350	6,400	125
HARYANA	27.5/28	6,140	6,250	6,275	6,375	125
UPER RAJASTHAN	28	6,400	6,500	6,500	6,600	100
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	61,300	61,700	62,700	63,300	1,600
MADHYA PRADESH	29	60,800	61,200	62,000	62,500	1,300
MAHARASHTRA	29 vid.	61,000	61,500	62,500	63,000	1,500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	61,500	61,600	63,100	63,200	1,600
KARNATAKA	29.5/30 mm	60,500	61,000	62,500	63,000	2,000
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	61,000	61,800	62,500	63,000	1,200
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	61,000	61,200	62,500	63,000	1,800
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

NEWSLETTER

Saturday, 08 April 2023 | Volume - 40

Pink bollworm management a big challenge: Cotton experts

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

GOLD : 60515
SILVER : 74554
CRUD OIL : 6594

SEED PRICES MAY FALL BY RS 150 IN THE COMING 15 DAYS

Sanjeev Kumar Jindal
Khal, Seed Broker,
(Sangrur, Punjab)

There was a bullish atmosphere in the cotton seed market for the last 25 days. But for the last three days, the market has changed again and there has been a slight fall in the price. There is a possibility that the price of cotton seed may fall by Rs.100-150 in the coming 15 days. Actually, the prices of seed and hull depend entirely on the price of cotton. The effect of rise and fall in the price of cotton is also on this market. From the second week of April, farmers get busy in selling wheat and other crops, so the sale of cotton slows down, in such a situation, there is every possibility of fall in the price of khal.

This is the Problem

NCDEX has been witnessing a lot of volatility in the recent past. Which is affecting the physical market of Khal and Seed. There is a rapid difference in the price from morning to evening, due to which it is becoming very difficult to deal.

5 months left in

He told that according to the estimated crop figures of CAI, more than 1 crore crops are yet to come. If we consider the average arrival of 90 thousand bales of 1 day, then the arrival of 25 days is around 22 lakhs. In this context, more than 5 months of arrival is yet to come. Looking at the situation, it seems that there could be a lot of stock carry forward this season.

Situation of Punjab

Regarding Punjab, he told that unseasonable rains happen anytime in Punjab, due to which the farmers have to bear the brunt every year. Especially cotton farmers. Apart from this, the outbreak of pink bollworm on cotton crop also hovers a lot here. In 2011, the cotton crop in Punjab was around 10 to 11 lakh bales, since then it has been decreasing every year and now only 2.5 to 3 lakh bales can be produced here. The government should take a serious decision on this.

DOMESTIC COTTON PRODUCTION IN PAKISTAN AT

Cotton crop is down a whopping 34 per cent this year from 7.44 million bales last year, mainly due to a devastating heatwave in Sindh and southern Punjab, where this industrial crop is mostly grown. Production in Pakistan has come down to a four-decade low of 4.9 million bales in 2023. According to the Pakistan-based newspaper, this has added to the country's deep economic crisis.

Cotton production in Pakistan's Sindh has decreased by 46 per cent, with Punjab recording a decline of 32 per cent, forcing the textile industry to import large quantities. According to Dawn, several factors are responsible for the poor cotton harvest year after year, ranging from pests and diseases, erratic weather patterns and water scarcity to poor seed quality, low yield per acre and large reduction in area under cultivation Is.

Textiles and clothing exports have suffered significantly over the past decade, with average annual production coming in at almost half of what the textile industry actually needs. Besides, the import of cotton, which is a major driver of the economy, is adding to our balance of payments problem.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

Know how this week was for textile investors

A report on the share value of major textile companies from 3 to 8 April 2023-

The ups and downs in the stock market continued last week as well, but this week brought relief for textile investors. In fact, this week almost all the major companies' shares managed to achieve positive market cap. Let us know how the performance of major textile companies was on the platform of BSE-

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOWEST PRICE	CHANGE IN %
Vardhaman Textile Limited	313	316	292.05	7.17%
Arvind Limited	89.82	90.95	85.4	5.18%
Welspun India	73.21	73.5	64	14.39%
Nitin Spinners	251.15	257	220.3	14%
raymond	1242.75	1255	1178.05	2.62%
Axita Cotton	63.07	63.15	55.96	12.14%

A look at the movement of the cotton exchange market

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5 WEEKLY CHART 08.04.2023			
ICE COTTON			
MONTH	31.03.23	07.04.23	WEEKLY CHANGE
MAY	82.78	83.02	0.24
JULY	83.1	83.47	0.37
DEC	83.42	83.24	-0.18
MCX (BALES) CANDY			
APRIL	62000	63400	1400
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1579	1633	54
NCDEX (COCUD KHAL)			
APRIL	2815	2825	10
MAY	2852	2865	13
JUN	2890	2907	17
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.17	81.89	-0.28
PAK (Pakistani Rupee)	283.804	288.141	4.337
CNY (Chinese yuan)	6.86912	6.87666	0.00754
BRAZIL (Real)	5.06329	5.0341	-0.02919
AUSTRALIAN Dollar	1.49522	1.49376	-0.00146
MALAYSIAN RINGGITS	4.41248	4.399	-0.01348
COTLOOK "A" INDEX	96.7	94.85	-1.85
BRAZIL COTTON INDEX	91.59	88.05	-3.54
USDA SPOT RATE	80.46	80.88	0.42
MCX SPOT RATE	61400	62540	1140
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18700	19300	600
GOLD ($)	1986.7	2023.9	37.2
SILVER ($)	24.227	25.13	0.903
CRUDE ($)	75.7	80.47	4.77

This week, in the National and International Cotton Exchange market, the prices were seen increasing somewhere and decreasing somewhere. On the International Cotton Exchange, the May and July contracts were recorded at 0.24 and 0.37 cents respectively, while the December contract saw a decline of 0.18 cents.

In the multi commodity exchange market, the price has increased up to Rs 1400 per candy in the deal price of April. At the same time, an increase of Rs 54 per 20 kg has also been registered in the cotton deal price of NCDEX for the month of April.

Khal prices on NCDX have also increased this week. For the three months of April, May and June, the deal rates have increased by Rs 10,13 and Rs 17 per quintal respectively.

If you look at the exchange market of other countries, cotton prices have decreased by 1.85 and 3.54 on the platform of Cotlook A Index and Brazil Cotton Index. While an increase has been seen in cotton prices on USDA spot rate, MCX spot rate and KCA spot rate.

Pink Bollworm Management

A Big Challenge

- Cotton experts

There is a need to accelerate the process of development of cotton varieties, especially in cotton hybridization program focusing on Bt genes, larger boll size, resistance to diseases and mechanical harvesting. This was stated by Dr. TR Sharma, Deputy Director General, Crop Science, Punjab Agricultural University (PAU).

The Indian Council of Agricultural Research (ICAR) inaugurated the two-day Annual Group Meeting 2022-23 of the All India Coordinated Research Project on Cotton (AICRP) at Punjab Agricultural University (PAU). Agriculture experts from PAU along with representatives from various State Agricultural Universities and ICAR Institutes participated in the inaugural session.

Describing the universities as an important medium for releasing technology to the farmers, the ICAR expert stressed on increasing the income of the farmers through cotton lint or edible oilseeds. Dr Sharma said, “Since its introduction in 2002, Bt cotton has been playing a very important role and efforts need to be made to popularize Bt cotton varieties/hybrids and develop technologies for cotton improvement. Needed." Pointing out the issue of low cotton production and productivity, Dr. Sharma assured to release some varieties for High Density Planting System (HDPS).

Former chairman of the Agricultural Scientists Recruitment Board, Dr. CD Mayi, who worked in PAU 50 years ago, stressed the need for private companies to be associated with universities for the development of Bt cotton hybrids. Calling for addressing the problem of waterlogging in cotton cultivation, he said, "In North India cotton is suffering due to excess water, while in South India it is suffering due to less water." Impressing the development of HDPS hybrids of cotton, Dr. Mayi reiterated the need for integration of public-private partnership in this direction.

Director, ICAR-Central Institute for Research on Cotton Technology, Mumbai, Dr. S.K. Shukla also expressed concern over the difficulties faced during cotton harvesting and called upon the breeders to come up with HDPS hybrids as a solution. Dr. Shukla also discussed in detail the quality of cotton fiber and the parameters being adopted by the spinning industry.

Informing about the provision of 33 per cent seed subsidy to the cotton growers of Punjab in the current crop season, he said that the intervention of Bt cotton is a big success. Although the whitefly wreaked havoc on cotton growers in 2015, the pest was successfully controlled through the collective efforts of researchers, extension workers and administrators.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Telangana emerges as the third largest cotton producer in India

In 2020-21, Telangana produced 57.97 lakh bales of cotton, and in 2021-22, it produced 48.78 lakh bales of cotton. It is the third largest producer in the country after Gujarat and Maharashtra. Apart from production, Telangana was also the second leading state in terms of labor rate paid to cotton workers.

Cotton sowing started in Muktsar, fearing loss, most of the farmers turn towards paddy

The inclement weather has worried the cotton growers of the district, who are looking to dump this cash crop in favor of paddy. According to them, cotton sowing is more labor intensive and costs more and in case of its failure, they will suffer huge losses.

Cluster idea for cotton and food sector in Khargone

The District Industries and Trade Center (DITC) has identified about 14 hectares in Khargone to develop a cluster for small and medium-sized industries. DITC is considering to develop industrial area in Khargone district for food and cotton sector.

BCI signs MoU with Tajikistan to support sustainable cotton production

The Better Cotton Initiative (BCI) has signed a memorandum of understanding with the Ministry of Agriculture of Tajikistan to further support the production of more sustainable cotton across the Central Asian country. It is in the realm of cotton fiber quality improvement, farmer welfare and overall agricultural sustainability.

Demand of Pakistan textile industry, zero rated energy should be restored

Pakistan textile industry is on the verge of collapse and has demanded that zero rated energy should be restored and pending refunds should be released immediately. All Pakistan Textile Mills Association (AMPTA) has already written a letter to the Prime Minister of Pakistan in this regard.

Growth week for cotton physical market

This week, cotton prices have registered an increase in the physical market in almost all the states. Cotton prices have increased by about Rs 100 to Rs 125 per mand in the North Zone. Rs 125 in Punjab and Haryana while an increase of Rs 100 per mand has been seen in Upper Rajasthan.

In the central zone, the price has increased the most in Gujarat up to Rs 1600 per candy. An increase of up to Rs 1300 per candy has been registered in Madhya Pradesh and Rs 1500 in Maharashtra.

Among all the three zones, the maximum increase was seen in the South zone. Here too, in Karnataka, the price has increased up to Rs 2000 per candy. After this, the price of cotton has increased up to Rs.1800 in Telangana, Rs.1600 in Odisha and Rs.1200 per candy in Andhra Pradesh.

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77771 - 5

DATE: 08.04.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	03.04.23		08.04.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,150	6,275	6,350	6,400	125
HARYANA	27.5/28	6,140	6,250	6,275	6,375	125
UPER RAJASTHAN	28	6,400	6,500	6,500	6,600	100
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	61,300	61,700	62,700	63,300	1,600
MADHYA PRADESH	29	60,800	61,200	62,000	62,500	1,300
MAHARASHTRA	29 vid.	61,000	61,500	62,500	63,000	1,500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	61,500	61,600	63,100	63,200	1,600
KARNATAKA	29.5/30 mm	60,500	61,000	62,500	63,000	2,000
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	61,000	61,800	62,500	63,000	1,200
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	61,000	61,200	62,500	63,000	1,800
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						